
shrIrAmastuti (tulasIdAsa)

श्रीरामस्तुती (तुलसीदास)

Document Information

Text title : rAmastuti 3 (tulasIdAsa)

File name : rAmastuti.itx

Category : raama, stotra

Location : doc_raama

Transliterated by : Girish Beeharry

Proofread by : Girish Beeharry

Latest update : November 1, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 17, 2023

sanskritdocuments.org

shrIrAmastuti (tulasIdAsa)

श्रीरामस्तुती (तुलसीदास)



॥ अथ श्रीरामस्तुति ॥

श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणम् ।
नवकञ्ज लोचन कञ्ज मुखकर कञ्जपद कञ्जारुणम् ॥ १ ॥
कंदर्प अगणित अमित छवि नव नील नीरज सुन्दरम् ।
पटपीत पानहुँ तडित रुचि सुचि नौमि जनक सुतावरम् ॥ २ ॥
भजु दीन बन्धु दिनेश दानव दैत्यवंशनिकन्दनम् ।
रघुनन्द आनंदकंद कोशल चन्द दशरथ नन्दनम् ॥ ३ ॥
सिरक्रीट कुण्डल तिलक चारु उदार अङ्ग विभूषणम् ।
आजानुभुज सर चापधर सङ्ग्राम जित खरदूषणम् ॥ ४ ॥
इति वदति तुलसीदास शङ्कर शेष मुनि मनरञ्जनम् ।
मम हृदयकञ्ज निवास कुरु कामादिखलदलमञ्जनम् ॥ ५ ॥
मन जाहि राचो मिलहि सोवर सहजसुन्दर सांवरो ।
करुणानिधान सुजान शील सनेह जानत रावरो । ६ ॥
एहि भाँति गौरि अशीस सुनि सिय सहित हिय हर्षित अली ।
तुलसी भवानिहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मन्दिर चली ॥ ७ ॥

जानि गौरि अनुकूल सिय हिय हर्षनः जात कहि ।

मञ्जुल मङ्गल मूल वाम अङ्ग परकन लगे ॥

सियावर रामचन्द्र पद गहि रहूँ ।

उमावर शम्भुनाथ पद गहि रहूँ ।

महाविर बजरङ्गी पद गहि रहूँ ।

शरणा गतो हरि ॥

This is written in Hindi(Awadi rather, the language of Ayodhya and of the rAmacharitmAnasa).

- 1) The stuti itself is simple . The 1st part of each half-verse is sung with the pitch going up [:-)] . The 2nd part is rather toned down. Until someone comes up with a good idea on how to convey the pitch. The spacing has been increased at the pauses.(It is possible that each shloka is 12 -- 10 ---/ 12 -- 10/- ----)
- 2) The last 4 lines are repeated during rAmacharitamAnasa chanting.

shrIrAmastuti (tulasIdAsa)

pdf was typeset on September 17, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

